हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 17)(शशि सबलोक – सॉस–सॉस में बॉस़)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है ? बूढ़े बाँस में कौन सी विशेषता होती है जो युवा बाँस में नहीं पाई जाती ?

उत्तर 1:
तीन साल से ऊपर के बॉस को बूढ़ा कहा जाता है बूढ़े बाँस सख्त होते हैं और टूट भी तो जाते हैं। बाँस से शाखाएँ और पत्तियाँ अलग कर दी जाती हैं। इसके बाद ऐसे बाँसों को चुना जाता है जिनमें गाँठें दूर–दूर होती हैं। युवा बॉस लचीला , मुलायम और हरा होता है जिसे अपनी जरूरत के अनुसार आकार दिया जा सकता है ।

प्रश्न 2:
बाँस से बनाई जाने वाली चीजों में सबसे आश्चर्यजनक चीज तुम्हें कौन सी लगी और क्यों ?

उत्तर 2:
असम में ऐसे ही एक जाल, जकाई से मछली पकड़ते हैं। छोटी मछलियों को पकड़ने के लिए इसे पानी की सतह पर रखा जाता है या फिर धीरे–धीरे चलते हुए खींचा जाता है। बाँस की खपच्चियों को इस तरह बाँधा जाता है कि वे एक शंकु का आकार ले लें। इस शंकु का ऊपरी सिरा अंडाकार होता है। निचले नुकीले सिरे पर खपच्चियाँ एक–दूसरे में गुँथी हुई होती हैं। इस तरह का यह अनोखा जाल होता है जो अपनी खूबियों के कारण मुझे अच्छा लगा ।

प्रश्न 3:
बाँस की बुनाई मानव के इतिहास में कब आरंभ हुई होगी ?

उत्तर 3:
इंसान ने जब हाथ से कलात्मक चीजें बनानी शुरू कीं, बाँस की चीजें तभी से बन रही हैं। आवश्यकता के अनुसार इसमें बदलाव हुए हैं और अब भी हो रहे हैं। बाँस का यह झुरमुट किसी को भी अमीर बना देता है। इससे वह अपना घर बना सकता है , कहते हैं कि बाँस की बुनाई का रिश्ता उस दौर से है, जब इंसान भोजन इकट्ठा करता था। शायद भोजन इकट्ठा करने के लिए ही उसने ऐसी डलियानुमा चीजें बनाई होंगी।

प्रश्न 4:
बाँस के विभिन्न उपयोगों से संबंधित जानकारी देश के किस भू–भाग के संदर्भ में दी गई है ? एटलस में देखो।

उत्तर 4:
बाँस भारत के विभिन्न हिस्सों में बहुतायत में होता है। भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों के सातों राज्यों में बाँस बहुत उगता है। इसलिए वहाँ बाँस की चीजें बनाने का चलन भी खूब है। सभी समुदायों के भरण–पोषण में इसका बहुत हाथ है। खासतौर पर देश का उत्तरी–पूर्वी राज्य नागालैंड । नागालैंड के निवासियों में बाँस की चीजें बनाने का खूब प्रचलन है। उसके अलावा असम में भी बॉसं का खूब प्रचलन है ।